मीडिया समन्वय कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 11 अगस्त 2017

जामिया मिल्लिया के बच्चों की रचनात्मकता ने ली किताबी शक्ल

जामिया मिलिया इस्लामिया :जेएमआईः के स्कूल के बच्चों की कुछ समय पहले हुई एक वर्कशाप में उभरी रचनात्मकता अब एक किताब की शक्ल में सामने आई है। ' माई स्वीट होम ' नामक इस किताब में बच्चों की रचनात्मकता का संकलन समीना मिश्रा और शेरना दस्तूर ने किया । जेएमआई के वाइस चांसलर प्रो तलत अहमद ने इस पुस्तक का लोकार्पण किया।

जेएमआई ने काफी साल पहले वर्ष 2005 में अपने स्कूलों के नन्हे मुन्ने बच्चों की रचनात्मकता को परवान चढ़ाने के लिए एक वर्कशॉप आयोजित की थी। वर्कशॉप में बच्चों से कार्टून और पेंटिंग्स बनवाने के अवाला कहानियां लिखने को प्रेरित किया गया। इस मौके पर ये '' बच्चे '' भी उपस्थित थे जिनमें से अधिकतर अब अपनी उच्च शिक्षा पूरी कर चुके हैं और कई तो नौकरियां भी कर रहे हैं।

रचनात्मकता से भरपूर इस पुस्तक का लोकार्पण करते हुए प्रोफेसर अहमद ने कहा कि जेएमआई हमेशा से बच्चों की छिपी प्रतिभाओं को उकेरने और उन्हें प्रोत्साहित करने को बढ़ावा देता रहा है। उन्होंने कहा कि ' माई स्वीट होम ' के रूप में समीना मिश्रा और शेरना दस्तूर ने एक अच्छी कोशिश की है जो बच्चों के अंदर हिम्मत पैदा करेगी और भविष्य में भी बच्चे इससे प्रेरित लेकर बेहतर प्रदर्शन अंजाम दे सकेंगे। उन्होंने कहा कि बच्चे समाज का भविष्य हैं और आगे की जिम्मेदारी उन्हीं के कंधों पर पड़ने वाली है इसलिए बच्चों को प्रोत्साहित करना बेहद जरूरी है।

उन्होंने कहा कि बच्चों की छिपी प्रतिभाओं को उभारने के लिए ही तत्कालीन वाइस चांसलर डा ज़ाकिर हुसैन ने ' तालीमी मेला ' और सांस्कृतिक कार्यक्रमकों की शुरूआत की थी।

इस पुस्तक का प्रकाशन 'मैपइन प्रकाशन ' ने किया है और इसकी प्रस्तावना प्रो अहमद ने लिखी है।

इस अवसर पर एक परिचर्चा का भी आयोजन किया गया जिसमें समीना मिश्रा, शेरना दस्तूर, पूनम बत्रा और डॉ सैयदा सय्यदेन हमीद आदि ने हिस्सा लिया।

डॉ हमीद ने किताब को समाज का आईना करार दिया और कहा कि इसके द्वारा केवल बच्चों के भीतर चल रही भावनाओं को ही समझने में मदद नहीं मिलेगी बल्कि इसके माध्यम से समाज और परिस्थितियों के बदलते माहौल को भी समझने में आसानी होगी।

दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर पूनम बत्रा ने कहा कि यह पुस्तक केवल छोटे बच्चों की कहानी नहीं है बल्कि उनकी सोच, चिंता और गंतव्य खोज का नमूना है जो बच्चों के मनोविज्ञान और उनके अंदर व बहार में चलने वाली खलबली और जिज्ञासा का अक्स है जिससे बहुत कुछ सीखा जा सकता है ।

कार्यक्रम का संचालन जेएमआई के आउट रीच प्रोग्राम के कोऑर्डिनेटर डॉक्टर मुकेश रंजन ने किया। डा ज़ाकिर हुसैन मैमोरियल सोसायटी की महासचिव बारां फ़ारूक़ी इस सोसायटी के तहत चलने वाले स्कूल के बच्चों के साथ कार्यक्रम में उपस्थित हुईं।

साइमा सईद

मीडिया कोऑर्डनैटर

PROF. SHAHID ASHRAF
PRO-VICE CHANCELLOR, JMI
PROF. TALAT AHMAD
VICE-CHANCELLOR, JMI
PROF. MUKESH RANJAN
A.P. SIDDIQUI, IPS

SAMPRATI PANI
SAMINA MISHRA
PROF. SIDDIQUE.IPS